भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्‍चतर शिक्षा विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 3127

उत्तर देने की तारीखः 22.0**3**.201**8**

विश्वविद्यालयों की रैंकिंग

3127. श्री ए॰ यू॰ सिंह दिवः

**क्या** मानव संसाधन विकास मंत्री **यह बताने की कृपा करेंगे किः**

**(क) क्या टाइम्स हायर एज्युकेशन वर्ल्‍ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2017-18 की शीर्ष 200 रैंक में किसी भारतीय विश्वविद्यालय को स्थान प्राप्त है;**

**(ख) यदि नहीं, तो इस के क्या कारण हैं;**

**(ग) क्या भारतीय विश्वविद्यालय शीर्षस्थ होने के लिए आवश्यक मूलभूत अवसंरचना, शिक्षकों की गुणवत्ता, पाठ्यक्रम तथा अन्य ऐसे मानदंडों को उपलब्ध कराने में पिछड़े हुए हैं, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;**

**(घ) क्या सरकार ने भारतीय विश्वविद्यालयों के कार्यनिष्पादन का आकलन करने के लिए कोई अध्ययन किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और**

**(ङ) भारतीय विश्वविद्यालयों में शिक्षा की गुणवत्ता और अवसंरचना आदि में सुधार लाने के लिए क्‍या कदम उठाए गए हैं?**

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री

**(डॉ. सत्‍य पाल सिंह)**

(क): टाईम्‍स हायर एजुकेशन वर्ल्‍ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्‍स 2017-18 की शीर्ष 200 रैंक में किसी भी भारतीय विश्‍वविद्यालय को स्‍थान प्राप्‍त नहीं हुआ है। तथापि, शीर्ष 600 रैंक में आने वाले भारतीय विश्‍वविद्यालयों की सूची अनुबंध-I में दी गई है।

(ख): टाईम्‍स हायर एजुकेशन (टीएचई) वर्ल्‍ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्‍स में ‘बोध कारक को अत्‍यधिक महत्‍व दिया जाता है जो अंतर्निहित रूप से व्‍यक्‍तिपरक है। अत:, शोध में अच्‍छा प्रदर्शन करने के बावजूद, भारत की कई संस्‍थाओं को उनके निष्‍पादन के अनुसार रैंक प्राप्‍त नहीं हुआ है।

(ग): भारतीय विश्‍वविद्यालय, शिक्षकों की गुणवत्‍ता, पाठ्यक्रम और अन्‍य जैसी आधारभूत जो शीर्ष रैंकिंग के लिए अपेक्षित हैं, अवसंरचना प्रदान करने में पीछे नहीं हैं।

(घ) से (ड.): टाईम्‍स हायर एजुकेशन (टीएचई) वर्ल्‍ड यूनिवर्सिटी रैंकिग्‍स द्वारा इस्‍तेमाल किया जा रहे मापदंडों के संबंध में शीर्ष भारतीय संस्‍थाओं के निष्‍पादन का विश्‍लेषण किया गया है (अनुबंध-II पर संलग्‍न) और इसमें सुधार करने के लिए सरकार द्वारा अनेक कदम उठाए हैं, जिसमें निम्‍नलिखित शामिल हैं:-

1. इम्‍प्रिंट, उच्‍चतर आविष्‍कार योजना, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की योजनाओं जैसी पहलों के जरिए शोध निधियन और शोध उत्‍पादकता में सुधार लाना
2. जीआईएएन पहलू के माध्‍यम से वैश्‍विक अकादमिक गठबंधनों को प्रोत्‍साहित करना।
3. ‘भारत में अध्‍ययन’ अभियान के जरिए और अधिक विदेशी छात्रों को प्रेरित करने के लिए प्रोत्‍साहित करना।
4. विजिटिंग एडवांसड जोइंट रिसर्च (वीएजेआरए) संकाय योजना के जरिए और अधिक विदेशी संकाय को आकर्षित करना।
5. उच्‍चतर शिक्षा निधियन अभिकरण (एचईएफए) के जरिए विशेष निधियन योजनाओं के माध्‍यम से अवसंरचना में सुधार करना।

उपर्युक्‍त के अलावा, संस्‍थाओं के बेहतर निष्‍पादन को प्रोत्‍साहित करने के लिए राष्‍ट्रीय संस्‍थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) के अंतर्गत भारतीय रैंकिंग्‍स शुरू की गई हैं।

\*\*\*\*\*

विश्वविद्यालयों की रैंकिंग के संबंध में माननीय संसद सदस्‍य श्री ए॰ यू॰ सिंह दिव द्वारा दिनांक 22.03.2018 को राज्‍य सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्‍न सं. 3127 के भाग (क) के उत्‍तर में उल्‍लिखित अनुबंध

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| क्र. सं. | ‘टीएचई’ शीर्ष 600 वैश्‍विक सर्वश्रेष्‍ठ विश्‍वविद्यालयों में आने वाली संस्‍थाओं के नाम | रैंक |
| 1 | भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलौर | 251-300 |
| 2 | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बोम्‍बे | 351-400 |
| 3 | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, दिल्‍ली | 501-600 |
| 4 | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, कानपुर | 501-600 |
| 5 | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, खड़गपुर | 501-600 |
| 6 | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, रूड़की | 501-600 |

विश्वविद्यालयों की रैंकिंग के संबंध में माननीय संसद सदस्‍य श्री ए॰ यू॰ सिंह दिव द्वारा दिनांक 22.03.2018 को राज्‍य सभा में पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्‍न सं. 3127 के भाग (घ) से (ड.) के उत्‍तर में उल्‍लिखित अनुबंध

|  |  |  |
| --- | --- | --- |
| **मापदंड** | **वेटेज** | **भारतीय संस्थाओं का प्रदर्शन**  |
| शिक्षण (अधिगम वातावरण): 30% |
| प्रतिष्ठा सर्वेक्षण | 15% | खराब: अपर्याप्त प्रतिक्रिया |
| स्टाफ-छात्र अनुपात | 4.5% | मध्यम: 1:10 मिलना चाहिए |
| डॉक्टरेट-स्‍नातक अनुपात | 2.25% | मध्यम: पीएचडी में वृद्धि करें |
| पीएचडी प्राप्‍त-अकादमिक स्‍टाफ अनुपात | 6% | मध्यम |
| संस्थागत आय | 2.25% | खराब: सरकार पर निर्भरता |
| शोध (विस्‍तार क्षेत्र, आय और प्रतिष्ठा): 30% |
| प्रतिष्ठा सर्वेक्षण | 18% | मध्यम |
| शोध आय | 6% | खराब: वृद्धि अपेक्षित है। |
| शोध उत्पादकता | 6% | अच्छा |
| उद्धरण (शोध प्रभाव): 27.5% |
| एलसेवियर डेटाबेस से प्राप्‍त उद्धरण | 27.5% | अच्छा |
| अंतर्राष्ट्रीय दृष्टिकोण (स्‍टाफ, छात्र, शोध): 7.5% |
| अंतर्राष्ट्रीय- घरेलू छात्र अनुपात | 2.5% | खराब: कोई विदेशी छात्र नहीं |
| अंतर्राष्ट्रीय- घरेलू स्‍टाफ अनुपात | 2.5% | खराब: कम विदेशी संकाय |
| अंतर्राष्ट्रीय सहयोग | 2.5% | मध्यम |
| उद्योग आय (ज्ञान अंतरण): 5% |
| परामर्श/नवाचार | 5% | मध्यम |

**\*\*\*\*\*\***